

# ПЛАН ЧТЕНИЯ БИБЛИИ НА ГОД

# Церкви "Слово Жизни"

"Блажен читающий и слушающие слова пророчества сего и соблюдающие написанное в нем; ибо время близко."

ЯНВАРЬ		
1	Быт. 1-3	Мф. 1
2	Быт. 4-6	Мф. 2
3	Быт. 7-9	Мф. 3
4	Быт. 10-12	Мф. 4
5	Быт. 13-15	Мф. 5.1-26
6	Быт. 16-17	Мф. 5.27-48
7	Быт. 18-19	Мф. 6.1-18
8	Быт. 20-22	Мф. 6.19-34
9	Быт. 23-24	Мф. 7
10	Быт. 25-26	Мф. 8.1-17
11	Быт. 27-28	Мф. 8.18-34
12	Быт. 29-30	Мф. 9.1-17
13	Быт. 31-32	Мф. 9.18-38
14	Быт. 33-35	Мф. 10.1-20
15	Быт. 36-38	Мф. 10.21-42
16	Быт. 39-40	Мф. 11
17	Быт. 41-42	Мф. 12.1-23
18	Быт. 43-45	Мф. 12.24-50
19	Быт. 46-48	Мф. 13.1-30
20	Быт. 49-50	Мф. 13.31-58
21	Исх. 1-3	Мф. 14.1-21
22	Исх. 4-6	Мф. 14.22-36
23	Исх. 7-8	Мф. 15.1-20
24	Исх. 9-11	Мф. 15.21-39
25	Исх. 12-13	Мф. 16
26	Исх. 14-15	Мф. 17
27	Исх. 16-18	Мф. 18.1-20
28	Исх. 19-20	Мф. 18.21-35
29	Исх. 21-22	Мф. 19
30	Исх. 23-24	Мф. 20.1-16
31	Исх. 25-26	Мф. 20.17-34

ФЕВРАЛЬ		
1	Исх. 27-28	Мф. 21.1-22
2	Исх. 29-30	Мф. 21.23-46
3	Исх. 31-33	Мф. 22.1-22
4	Исх. 34-35	Мф. 23-46
5	Исх. 36-38	Мф. 23.1-22
6	Исх. 39-40	Мф. 23.23-39
7	Лев. 1-3	Мф. 24.1-28
8	Лев. 4-5	Мф. 24.29-51
9	Лев. 6-7	Мф. 25.1-30
10	Лев. 8-10	Мф. 25.31-46
11	Лев. 11-12	Мф. 26.1-25
12	Лев. 13	Мф. 26.26-50
13	Лев. 14	Мф. 26.51-75
14	Лев. 15-16	Мф. 27.1-26
15	Лев. 17-18	Мф. 27.27-50
16	Лев. 19-20	Мф. 27.51-66
17	Лев. 21-22	Мф. 28
18	Лев. 23-24	Мк. 1.1-22
19	Лев. 25	Мк. 1.23-45
20	Лев. 26-27	Мк. 2
21	Чис. 1-2	Мк. 3.1-19
22	Чис. 3-4	Мк. 3.20-35
23	Чис. 5-6	Мк. 4.1-20
24	Чис. 7-8	Мк. 4.21-41
25	Чис. 9-11	Мк. 5.1-20
26	Чис. 12-14	Мк. 5.21-43
27	Чис. 15-16	Мк. 6.1-29
28	Чис. 17-19	Мк. 6.30-56
29	Чис. 17-19	Мк. 6.30-56

МАРТ		
1	Чис. 20-22	Мк. 7.1-3
2	Чис. 23-25	Мк. 7.14-37
3	Чис. 26-28	Мк. 8
4	Чис. 29-31	Мк. 9.1-29
5	Чис. 32-34	Мк. 9.30-50
6	Чис. 35-36	Мк. 10.1-31
7	Втор. 1-3	Мк. 10.32-50
8	Втор. 4-6	Мк. 11.1-18
9	Втор. 7-9	Мк. 11.19-33
10	Втор. 10-12	Мк. 12.1-27
11	Втор. 13-15	Мк. 12.28-44
12	Втор. 16-18	Мк. 13.1-20
13	Втор. 19-21	Мк. 13.21-37
14	Втор. 22-24	Мк. 14.1-26
15	Втор. 25-27	Мк. 14.27-53
16	Втор. 28-29	Мк. 14.54-72
17	Втор. 30-31	Мк. 15.1-25
18	Втор. 32-34	Мк. 15.26-47
19	Ис.Нав. 1-3	Мк. 16
20	Ис.Нав. 4-6	Лк. 1.1-20
21	Ис.Нав. 7-9	Лк. 1.21-38
22	Ис.Нав. 10-12	Лк. 1.39-56
23	Ис.Нав. 13-15	Лк. 1.57-80
24	Ис.Нав. 16-18	Лк. 2.1-24
25	Ис.Нав. 19-21	Лк. 2.25-52
26	Ис.Нав. 22-24	Лк. 3
27	Суд. 1-3	Лк. 4.1-30
28	Суд. 4-6	Лк. 4.31-44
29	Суд. 7-8	Лк. 5.1-16
30	Суд. 9-10	Лк. 5.17-39
31	Суд. 11-12	Лк. 6.1-26

# ПЛАН ЧТЕНИЯ БИБЛИИ НА ГОД

# Церкви "Слово Жизни"

"Блажен читающий и слушающие слова пророчества сего и соблюдающие написанное в нем; ибо время близко."

ИЮЛЬ		
1	Иов. 20-21	Деян. 10.24-48
2	Иов. 22-24	Деян. 11
3	Иов. 25-27	Деян. 12
4	Иов. 28-29	Деян. 13.1-25
5	Иов. 30-31	Деян. 13.26-52
6	Иов. 32-33	Деян. 14
7	Иов. 34-35	Деян. 15.1-21
8	Иов. 36-37	Деян. 15.22-41
9	Иов. 38-40	Деян. 16.1-21
10	Иов. 41-42	Деян. 16.22-40
11	Пс. 1-3	Деян. 17.1-15
12	Пс. 4-6	Деян. 17.16-34
13	Пс. 7-9	Деян. 18
14	Пс. 10-12	Деян. 19.1-20
15	Пс. 13-15	Деян. 19.21-41
16	Пс. 16-17	Деян. 20.1-16
17	Пс. 18-19	Деян. 20.17-38
18	Пс. 20-22	Деян. 21.1-17
19	Пс. 23-25	Деян. 21.18-40
20	Пс. 26-28	Деян. 22
21	Пс. 29-30	Деян. 23.1-15
22	Пс. 31-32	Деян. 23.16-35
23	Пс. 33-34	Деян. 24
24	Пс. 35-36	Деян. 25
25	Пс. 37-39	Деян. 26
26	Пс. 40-42	Деян. 27.1-26
27	Пс. 43-45	Деян. 27.27-44
28	Пс. 46-48	Деян. 28
29	Пс. 49-50	Рим. 1
30	Пс. 51-53	Рим. 2
31	Пс. 54-56	Рим. 3

АВГУСТ		
1	Пс. 57-59	Рим. 4
2	Пс. 60-62	Рим. 5
3	Пс. 63-65	Рим. 6
4	Пс. 66-67	Рим. 7
5	Пс. 68-69	Рим. 8.1-21
6	Пс. 70-71	Рим. 8.22-39
7	Пс. 72-73	Рим. 9.1-15
8	Пс. 74-76	Рим. 9.16-33
9	Пс. 77-78	Рим. 10
10	Пс. 79-80	Рим. 11.1-18
11	Пс. 81-83	Рим. 11.19-36
12	Пс. 84-86	Рим. 12
13	Пс. 87-88	Рим. 13
14	Пс. 89-90	Рим. 14
15	Пс. 91-93	Рим. 15.1-13
16	Пс. 94-96	Рим. 15.14-33
17	Пс. 97-99	Рим. 16
18	Пс. 100-102	1Кор. 1
19	Пс. 103-104	1Кор. 2
20	Пс. 105-106	1Кор. 3
21	Пс. 107-109	1Кор. 4
22	Пс. 110-112	1Кор. 5
23	Пс. 113-115	1Кор. 6
24	Пс. 116-117	1Кор. 7.1-19
25	Пс. 118.1-88	1Кор. 7.20-40
26	Пс. 118.89-176	1Кор. 8
27	Пс. 119-121	1Кор. 9
28	Пс. 122-125	1Кор. 10.1-18
29	Пс. 126-128	1Кор. 10.19-33
30	Пс. 129-131	1Кор. 11.1-16
31	Пс. 132-134	1Кор. 11.17-34

СЕНТЯБРЬ		
1	Пс. 135-136	1Кор. 12
2	Пс. 137-139	1Кор. 13
3	Пс. 140-142	1Кор. 14.1-20
4	Пс. 143-145	1Кор. 14.21-40
5	Пс. 146-147	1Кор. 15.1-28
6	Пс. 148-150	1Кор. 15.29-58
7	Пр. 1-2	1Кор. 16
8	Пр. 3-5	2Кор. 1
9	Пр. 6-7	2Кор. 2
10	Пр. 8-9	2Кор. 3
11	Пр. 10-12	2Кор. 4
12	Пр. 13-15	2Кор. 5
13	Пр. 16-18	2Кор. 6
14	Пр. 19-21	2Кор. 7
15	Пр. 22-24	2Кор. 8
16	Пр. 25-26	2Кор. 9
17	Пр. 27-29	2Кор. 10
18	Пр. 30-31	2Кор. 11.1-15
19	Еккл. 1-3	2Кор. 11.16-33
20	Еккл. 4-6	2Кор. 12
21	Еккл. 7-9	2Кор. 13
22	Еккл. 10-12	Гал. 1
23	П.Песн. 1-3	Гал. 2
24	П.Песн. 4-6	Гал. 3
25	П.Песн. 7-9	Гал. 4
26	Ис. 1-2	Гал. 5
27	Ис. 3-4	Гал. 6
28	Ис. 5-6	Еф. 1
29	Ис. 7-8	Еф. 2
30	Ис. 9-10	Еф. 3

АПРЕЛЬ		
1	Суд. 13-15	Лк. 6.27-49
2	Суд. 16-18	Лк. 7.1-30
3	Суд. 19-21	Лк. 7.31-50
4	Руф. 1-4	Лк. 8.1-25
5	Суд. 1-3	Лк. 8.26-56
6	1Цар. 4-6	Лк. 9.1-17
7	1Цар. 7-9	Лк. 9.18-38
8	1Цар. 10-12	Лк. 9.39-62
9	1Цар. 13-14	Лк. 10.1-24
10	1Цар. 15-16	Лк. 10.25-42
11	1Цар. 17-18	Лк. 11.1-28
12	1Цар. 19-21	Лк. 11.29-54
13	1Цар. 22-24	Лк. 12.1-31
14	1Цар. 25-26	Лк. 12.32-59
15	1Цар. 27-39	Лк. 13.1-22
16	1Цар. 30-31	Лк. 13.23-35
17	2Цар. 1-2	Лк. 14.1-24
18	2Цар. 3-5	Лк. 14.25-35
19	2Цар. 6-8	Лк. 15.1-10
20	2Цар. 9-11	Лк. 15.11-32
21	2Цар. 12-13	Лк. 16
22	2Цар. 14-15	Лк. 17.1-19
23	2Цар. 16-18	Лк. 17.20-37
24	2Цар. 19-20	Лк. 18.1-23
25	2Цар. 21-22	Лк. 18.24-43
26	2Цар. 23-24	Лк. 19.1-27
27	3Цар. 1-2	Лк. 19.28-48
28	3Цар. 3-5	Лк. 20.1-26
29	3Цар. 6-7	Лк. 20.27-47
30	3Цар. 8-9	Лк. 21.1-19

МАЙ		
1	3Цар. 10-11	Лк. 21.20-38
2	3Цар. 12-13	Лк. 22.1-30
3	3Цар. 14-15	Лк. 22.31-46
4	3Цар. 16-18	Лк. 22.47-71
5	3Цар. 19-20	Лк. 23.1-25
6	3Цар. 21-22	Лк. 23.26-56
7	4Цар. 1-3	Лк. 24.1-35
8	4Цар. 4-6	Лк. 24.36-53
9	4Цар. 7-9	Ин. 1.1-28
10	4Цар. 10-12	Ин. 1.29-51
11	4Цар. 13-14	Ин. 2
12	4Цар. 15-16	Ин. 3.1-18
13	4Цар. 17-18	Ин. 3.19-36
14	4Цар. 19-21	Ин. 4.1-30
15	4Цар. 22-23	Ин. 4.31-54
16	4Цар. 24-25	Ин. 5.1-24
17	1Пар. 1-3	Ин. 5.25-47
18	1Пар. 4-6	Ин. 6.1-21
19	1Пар. 7-9	Ин. 6.22-44
20	1Пар. 10-12	Ин. 6.45-71
21	1Пар. 13-15	Ин. 7.1-27
22	1Пар. 16-18	Ин. 7.28-53
23	1Пар. 19-21	Ин. 8.1-27
24	1Пар. 22-24	Ин. 8.28-59
25	1Пар. 25-27	Ин. 9.1-23
26	1Пар. 28-29	Ин. 9.24-41
27	2Пар. 1-3	Ин. 10.1-23
28	2Пар. 4-6	Ин. 10.24-42
29	2Пар. 7-9	Ин. 11.1-29
30	2Пар. 10-12	Ин. 11.30-57
31	2Пар. 13-14	Ин. 12.1-26

ИЮНЬ		
1	2Пар. 15-16	Ин. 12.27-50
2	2Пар. 17-18	Ин. 13.1-20
3	2Пар. 19-20	Ин. 13.21-38
4	2Пар. 21-22	Ин. 14
5	2Пар. 23-24	Ин. 15
6	2Пар. 25-27	Ин. 16
7	2Пар. 28-29	Ин. 17
8	2Пар. 30-31	Ин. 18.1-18
9	2Пар. 32-33	Ин. 18.19-40
10	2Пар. 34-36	Ин. 19.1-22
11	Езд. 1-2	Ин. 19.23-42
12	Езд. 3-5	Ин. 20
13	Езд. 6-8	Ин. 21
14	Езд. 9-10	Деян. 1
15	Неем. 1-3	Деян. 2.1-21
16	Неем. 4-6	Деян. 2.22-47
17	Неем. 7-9	Деян. 3
18	Неем. 10-11	Деян. 4.1-22
19	Неем. 12-13	Деян. 4.23-37
20	Есф. 1-2	Деян. 5.1-21
21	Есф. 3-5	Деян. 5.22-42
22	Есф. 6-8	Деян. 6
23	Есф. 9-10	Деян. 7.1-21
24	Иов. 1-2	Деян. 7.22-43
25	Иов. 3-4	Деян. 7.44-60
26	Иов. 5-7	Деян. 8.1-25
27	Иов. 8-10	Деян. 8.26-40
28	Иов. 11-13	Деян. 9.1-21
29	Иов. 14-16	Деян. 9.22-43
30	Иов. 17-19	Деян. 10.1-23

ОКТАБРЬ		
1	Ис. 11-13	Еф. 4
2	Ис. 14-16	Еф. 5.1-16
3	Ис. 17-19	Еф. 5.17-33
4	Ис. 20-22	Еф. 6
5	Ис. 23-25	Филип. 1
6	Ис. 26-27	Филип. 2
7	Ис. 28-29	Филип. 3
8	Ис. 30-31	Филип. 4
9	Ис. 32-33	Кол.

